



नई सोच, नया आयाम

RNI No. CHHIN/2009/35020

# जोहर छत्तीसगढ़

◆ वर्ष: -14 ◆ अंक: 276

डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 ◆ मूल्य: 3 ₹ ◆ पृष्ठ: 8 (4+4)

फसल बीमा की राशि मिलने पर  
किसानों ने किया किसान नेता ..

धरमजयगढ़, रविवार 14 अगस्त 2022

JOHAR CHHATTISGARH epaper for login www.joharchhattisgarh.in



## देनिक हिन्दी

आजादी का अमृत महोत्सव घर घर तिरंगा  
अभियान में भाजपा कार्यकर्ता पहुंच ...पेज -4  
पर

## छत्तीसगढ़ कांग्रेस में बदलाव की संभावना नहीं

**प्रदेश प्रभारी पुनिया ने किया इनकार, कहा -भाजपा में चार अध्यक्ष बदल गए, हमारे यहां संभावना नहीं**

रायपुर। कांग्रेस नेतृत्व ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस में बदलाव की किसी संभावना से फिलहाल इनकार कर दिया है। रायपुर पहुंचे AICC के प्रदेश प्रभारी पी.एल. पुनिया ने शनिवार को कहा, उनके यहां बदलाव की कोई संभावना नहीं है।

उनका संगठन एकजुट है। पुनिया ने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा, उनके यहां तो चार साल में चार अध्यक्ष बदल गए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद से अदिवासी समाज के नेता विष्णुदेव साय को हाटपा फिलहाल वर्ग के अरुण साव को लाने के



बाद राजनीतिक हल्कों में यह पर विराम लगा दिया है।

चर्चा गर्म थी कि कांग्रेस भी प्रदेश अध्यक्ष बदल सकती है। कहा यह जा रहा था कि ओबीसी के दित बढ़े हुए केवल अध्यक्ष बदलने से काम नहीं चलेगा, जब तक संगठन उक्त साथ ना दे। चार साल में चार अध्यक्ष आप बदलेंगे तो वहां क्या स्थिति होगी। इसके अलावा 15 अगस्त को रायपुर के गांधी मैदान में आयोजित यात्रा की समाप्ति सभा तक हो जाएगी। उन्होंने अपना प्रदेश अध्यक्ष पद से कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी पी.एल. पुनिया ने तीन दिन के प्रवास पर यात्रा करते हुए आपने और प्रदेश अध्यक्ष को बदले जाने के बाद यात्रा की विभिन्न स्थानों के चुनाव हम जीते, नारीय निकायों के चुनाव हम जीते। पुनिया ने कहा, वे बदलते हैं। कांग्रेस में ऐसा नहीं है। ना ही आप संभावना है।

बदलते हैं। यहां कांग्रेस में पूरा 200 लोगों का चारों दिन तक बदलते हैं। तालिका से काम की वजह से ही जितन भी उपचुनाव हम जीते, नारीय निकायों के चुनाव हम जीते। पुनिया ने कहा, वे बदलते हैं। कांग्रेस में ऐसा नहीं है।

### गौरव यात्राओं में शामिल होंगे

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी पी.एल. पुनिया ने तीन दिन के प्रवास पर यात्रा के बाद यात्रा के बाद यात्रा की विभिन्न स्थानों के साथ बैठक भी करेंगे। बताया जा रहा है कि भाजपा में नए क्षेत्रीय संगठन मंत्री के आने और प्रदेश अध्यक्ष को बदले जाने के बाद संगठन मंत्री के आने और प्रदेश अध्यक्ष को बदले जाने के बाद यात्रा की विभिन्न स्थानों में तेजी आने की सम्भावना बढ़ी हुई है। ऐसे में कांग्रेस भी आपने सभी मोर्चों को संकेतिया और आकामक रखने की कोशिश की जाएगी। यहां मिलने पर बैठक खुश होते हुए उन्होंने कहा कि अब यात्रा उनके बदल न ले पाए।

ने 9 अगस्त से 14 अगस्त तक के लिए आजादी को गौरव यात्रा नाम से 75 किमी की पदयात्रा शुरू किया है।

### बैठकों का दौर भी चलेगा

पुनिया इन दो दिनों में कांग्रेस की विभिन्न समितियों, मोर्चों-प्रक्रियों और पदाधिकारियों के साथ बैठक भी करेंगे। बताया जा रहा है कि भाजपा में नए क्षेत्रीय संगठन मंत्री के आने और प्रदेश अध्यक्ष को बदले जाने के बाद यात्रा की विभिन्न स्थानों में तेजी आने की सम्भावना बढ़ी हुई है। ऐसे में कांग्रेस भी आपने सभी मोर्चों को संकेतिया और आकामक रखने की कोशिश की जाएगी। यहां मिलने पर बैठक खुश होते हुए उन्होंने कहा कि अब यात्रा उनके बदल न ले पाए।

**गैतम मण्डावी को मिला गैवसी ट्रक, महेश्वरी नेतामा एवं सुमन नण्डावी होंगी खुद की दुकान की जालिक**



आगे बढ़ने के लिए मुख्यमंत्री श्री बघेल द्वारा श्रीमती विकासखण्ड भानुप्रतापपुर के ग्राम तुड़ों निवासी श्रीमती महेश्वरी नेताम को फैसी एवं जनरल स्टोर्स के लिए 02 लाख रुपये तथा दुर्गांगा विकासखण्ड के ग्राम तुड़ों निवासी श्रीमती कुमारी सुमन मण्डावी को स्व-रोजगार स्थानों के लिए 02 लाख रुपये का चेक प्रदाय किया गया। इस पर उन्होंने खुशी का इजहार करते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आदिवासी महिला सशक्तीकरण अभार ब्यक्त किया।

## एक नजर

नाबलिंग से छेड़छाड़ के आरोपी को हुई आजीवन कार्रवास की सजा

द्वेषावाजार। मजदूरी के बहाने नाबलिंग लड़कों का द्वेषावाजार में जाने और पिंड अपने संतोष कुड़ियम को अपर सत्र न्यायालयी शैली संतोष शर्मा की विशेष अदाकारों ने आजीवन कार्रवास की सजा सनाई है। विशेष न्यायालय इस प्रकार में धारा 363 के अंतर्गत में 07 साल के सत्रम कार्रवास पर 05 वर्ष और अर्थदंड वर धारा 370 (4) के अंतर्गत में दंडित के अंतर्दंड से दंडित किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अपने संतोष कुड़ियम नाबलिंग लड़कों द्वारा आपने कांग्रेस के अंतर्गत दिल्ली ले गया था, वहां पीड़ितों ने यहां नहीं किया तो उसे रायपुर लेकर आया और यहां के एक हाटल में जाकर उसके बाद छेड़छाड़ किया।

### कर्टंग लगाने से नां-बच्चे सहित तीन की जौत

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार जिले के सिमगा थाना क्षेत्र के ग्राम दामाखेड़ा में छत पर कपड़े सुखाते वक्त कर्टंग को चपेट में आने से मां-बच्चे सेवत तीन की मौत हो गई। मिली जानकारीके अनुसार घटना थाना की है। ग्राम दामाखेड़ा में रहने वाली कांतीशरी पति बब्ल देवांग (26 वर्ष) शाम को छत पर कपड़ा सूखाने के लिए दामाखेड़ा में रहने वाली कांतीशरी पति बब्ल देवांग (26 वर्ष) शाम को छत पर कपड़ा सूखाने गई थी। इसी दौरान कपड़ा सूखाने के लिए दामाखेड़ा में रहने वाली कांतीशरी पति बब्ल देवांग (26 वर्ष) शाम को छत पर कपड़ा सूखाने गई थी। ऐसे दौरान कर्टंग लगाने के बाद यात्रा की विभिन्न स्थानों में तेजी आने की सम्भावना बढ़ी हुई है। उन्होंने कांतीशरी पति बब्ल देवांग को छत पर कपड़ा सूखाने के लिए दामाखेड़ा में रहने वाली कांतीशरी पति बब्ल देवांग को छत पर कपड़ा सूखाने गई थी।

### कैबिनेट मंत्री हमर तिरंगा रैली में शामिल होकर लोगों का उत्साह किया दोगुना

आजादी के 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा अभियान में लोगों ने बढ़ चढ़कर लिया हिस्सा

रायपुर। आजादी के अमृत महोत्सव 75 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा अभियान के दौरान कर्टंग लोगों में रहने वाली कांतीशरी पति बब्ल देवांग (26 वर्ष) शाम को छत पर कपड़ा सूखाने गई थी। इस दौरान कर्टंग लोगों में तेजी आने की सम्भावना बढ़ी हुई है। उन्होंने कांतीशरी पति बब्ल देवांग को छत पर कपड़ा सूखाने के लिए दामाखेड़ा में रहने वाली कांतीशरी पति बब्ल देवांग को छत पर कपड़ा सूखाने गई थी।



धज लिए तिरंगा यात्रा के दौरान लोगों के मुंह से सिर्फ यही निकलता रहा था भारत माता को जो तिरंगे झंडे की जय, राष्ट्रपति महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, सरदार वल्लभ भाई पटेल सहित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की जयकारा लगाया जा रहा था।



### मुफ्त की रेवड़ी पर सियासत

## एमएलए अजय चंद्राकर का सीएम भूपेश को चैलेंज, कहा- बहस के लिए दिन और समय बताएं

रायपुर। ग्रामजारी में सरगुजा संभाग के लोकों द्वारा देश प्रधान के लिए चैलेंज कर दिया गया है।

ग्रामजारी में योगदान देने के लिए जिले के लोकों द्वारा देश प्रधान के लिए चैलेंज कर दिया गया है। योगदान देने के लिए जिले के लोकों द्वारा देश प्रधान के लिए चैलेंज कर दिया गया है।

ग्रामजारी में योगदान देने के लिए जिले के लोकों द्वारा देश प्रधान के लिए चैलेंज कर दिया गया है। योगदान देने के लिए जिले के लोकों द्वारा देश प्रधान के लिए चैलेंज कर दिया गया है।

ग्रामजारी में योगदान देने के लिए जिले के लोकों द्वारा देश प्रधान के लिए चैलेंज कर दिया गया है। योगदान देने के लिए जिले के लोकों द्वारा देश प्रधान के लिए चैलेंज कर दिया गया है।

ग्रामजारी में योगदान देने के लिए जिले के लोकों द्वारा देश प्रधान के लिए चैलेंज कर दिया गया है। योगदान देने के लिए जिले के लोकों द्वारा देश प्रधान के लिए चैलेंज कर दिया गया है।



पहुंचाना। गरीबों क

## आजादी के आंदोलन में किसान-आदिवासी : विद्रोह और बलिदान की कहनियों को नहीं भला सकते

इन्हीं दिनों कुछ किसानों की प्रधान भूमिका वाले विरोध-

गोरखपुर (1778-81), रंगपुर (बंगाल, 1783) व सुबादिया (बंगाल, 1792) में हुए। बंगाल और बिहार में 1766-72 तक चुआड़ा आदिवासी विद्रोह हुआ, जो 1795 से 1816 तक फिर हुआ। 1814-17 में अलीगढ़ के तालुकदारों ने विद्रोह किया। गुजरात के कोली लोगों ने 1824-25, 1828-39 और 1849 में विद्रोह किए।

1824 में हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जाटों तथा कई आदिवासी विद्रोह हुए। अंध्र प्रदेश के रंपा क्षेत्र में आदिवासीयों ने 1858, 1861 और 1862 में आवाज उठाई। पुणे और अहमदनगर जिलों में संथान आदिवासीयों का विद्रोह 1875 में 33 स्थानों पर हुआ। किसानों की प्रमुख भूमिका वाले कुछ विद्रोह थे-बरासात (बंगाल) के टीटू मीर का विद्रोह, मैसूर का रैत का विद्रोह व फरीदनगर (बंगाल) का विद्रोह।

1857 के स्वतंत्रता संग्राम में किसानों, दस्तकारों, मजदूरों आदि ने बड़े पैमाने पर हिस्सा लिया तथा धनुष, तलवार, भाला, खंबज़ जौ भी हथियार उड़े मिला, उसी से उहाँने युद्ध किया। किसानों में दहशत फैलाई थी, पर कुछ समय बाद उसे निर्माण से कुचल दिया गया। बिरसा मुंडा की मृत्यु के बाद सरकार आदिवासीयों के असरोंपर कम करने के लिए कुछ कानून बनाने को विश्वास हुई। 1893-94 में लगान बहुत बढ़ने के विलुप्त असम के कामरूप और दरंग जिलों में किसानों का बड़ा आंदोलन हुआ। बिहार में दरभंगा और चंपारण में 1866-68 में नील की खेती के शोषण के विरुद्ध विद्रोह हुए। 1896-97 में महाराष्ट्र में

हुए। सूदखोरी और बनाधिकारों के हनन के विरुद्ध आंध्र प्रदेश के गोदावरी रोपा क्षेत्र में आदिवासीयों ने 1858, 1861 और 1862 में आवाज उठाई।

पुणे और अहमदनगर जिलों में संथान आदिवासीयों का विद्रोह हुआ। किसानों की प्रमुख भूमिका वाले कुछ विद्रोह थे-बरासात (बंगाल) के टीटू मीर का विद्रोह, मैसूर का रैत का विद्रोह व फरीदनगर (बंगाल) का विद्रोह।



रंगीन और सिंहभूमि के क्षेत्र में बिरसा मुंडा के नेतृत्व में बहुचर्चित आदिवासी विद्रोह हुआ। उसे विद्रोह ने राजी के अंगों में दहशत फैलाई थी, पर कुछ समय बाद उसे निर्माण से कुचल दिया गया। बिरसा मुंडा की मृत्यु के बाद सरकार आदिवासीयों के असरोंपर कम करने के लिए कुछ कानून बनाने को विश्वास हुई। 1893-94 में लगान बहुत बढ़ने के विलुप्त असम के कामरूप और दरंग जिलों में किसानों का साधा शासन के साथ ही झुक हो गए थे।

लोकमान्य तिलक के नेतृत्व में किसानों की समस्याओं को

आसपास हुआ, जिसे कुचलने के लिए ब्रिटिश सरकार ने यहां के अनेक गांवों को जल दिया के दाक्षिण राजस्थान में गोविंद गुरु के समाज सुधार प्रवासों ने 1913 में एक जन विद्रोह का रूप ले लिया। मगांड के पहाड़ पर 4,000 भौतों ने अंगों को जांचकार डट्टक समाज किया, जिसमें 12 आदिवासी मारे गए, व 900 गिरफतार हुए। मेवाड़ की विजालिया जांची की किसानों को 36 तरह के कर देने पर थे। इसके विलुप्त एक साथ सीतामान दास के नेतृत्व में एक विद्रोह हुआ। इसके बीच दक्षिण अंडियाका से लौटकर महात्मा गांधी स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय हो गए थे। 1917 में चंपारण में आदिवासीयों ने वान्धिकारों के हनन के विलुप्त एक विद्रोह किए। औडिशा के खोड़ आदिवासीयों ने वान्धिकारों के अंदोलन के फलस्वरूप सरकार उनकी समर्थनों को कम करने के लिए बात्य हुई। आले वर्ष गुजरात के खेड़े जिले में फसल

खराब होने के बावजूद लगान वसूले जाने पर गांधी के नेतृत्व में हुए प्रयासों से लगान में छूट मिली।

अलवर के नीमूचाणा में 50 फौसदी लगान बढ़दा का विरोध कर रहे किसानों पर गोली चलाई गई, जिसमें बहुत से लोग मारे गए। 1928 में बारदीली में सरदार पटेल के नेतृत्व में किसानों ने कर न देने का आंदोलन चलाया। 1936 में अखिल भारतीय किसान सभा के नाम का पहला राष्ट्रीय स्तर का किसान संगठन बना। उसके बाद आजादी मिलने तक अनेक स्थानों पर आदिवासी व किसान आंदोलनकारी सक्रिय रहे। इस तरह देश को स्वतंत्र करने में किसानों और आदिवासी आंदोलनकारी भी काफी अहम योगदान रहा है।

भारत डोगरा

### संपादकीय

#### कर्ज संकट का साया

तकरीबन 60 फौसदी विकासशील देशों के सामने कर्ज संकट विकास रूप में खड़ा हो गया है। श्रीलंका के डिपॉल्ट करने के बाद अब नजर पाकिस्तान, द्यूर्युनिशया, घाना, केन्या और एल सल्वाडोर पर है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोप ने कहा है कि दुनिया के तकरीबन 60 फौसदी विकासशील देशों के बावजूद एक संकट है। तमाम अर्थिक विशेषज्ञ इस बात से सहमत हैं। श्रीलंका खड़ा हो दिपॉल्ट का चुका है। अब विशेषज्ञों की नजर पाकिस्तान, द्यूर्युनिशया, घाना, केन्या और एल सल्वाडोर पर है। पाकिस्तान के सामने विदेशी मुद्रा का संकट लगार गंभीर होता जा रहा है। द्यूर्युनिशया के लिए अपनी बजट जरूरतों को पूरा करना मुश्किल हो रहा है। घाना और केन्या पर कर जाने का भारी बोझ है। एल सल्वाडोर के बांडू में खड़ी होने वाले हैं। वैसे मुद्रीबंद में अंजेटीना भी है। वह अभी तक 2018 में पैदा हुए मुद्रा संकट के असर से ही नहीं उड़र पाया है। तो यह साफ है कि अपेक्षिती मुद्रा डॉलर के लगार मजबूत होने से दुनिया के अनेक देशों में मुद्रीबंद बढ़ी है। दुनिया की लगभग तमाम मुद्राओं के मुकाबले डॉलर का भाव असामन्य रूप से आवाह है। घाना और केन्या पर कर जाने का अर्थव्यवधारण गड़ा है। वजह यह है कि दुनिया का अधे से ज्यादा कारोबार आज भी डॉलर में होता है। इसके अलावा ज्यादातर देशों अंतर्राष्ट्रीय बाजार से डॉलर में कर्ज लेते हैं। अब डॉलर महगा होने से कर्ज के रूप में उड़न्दे ज्यादा रकम चुकानी पड़ रही है।

इन सवालों के कई जवाब हो सकते हैं, सकारात्मक भी, क्योंकि उपलब्धियों का डाटा अपेक्षाओं की भौतिक तुला में ही तौला जाएगा।

जागृत मतदाता बेहतर समाज की नींव

देश में लोकशाही की कायमी का कारण न केवल शिक्षा का प्रसार है, बल्कि मतदाता की उस अंतरालमा का भी जागृत होता है, जो बोर्ट को परिस्थिति और वक्त की अनुसार के अनुसार एक विश्वास बढ़ाने को प्रेरित करता है। जीते एक दशक में इसका सबसे बढ़िया उदाहरण दिल्ली प्रदेश का है, जहां मतदाता लोकसभा, विधायिका और स्थानीय विकासीयों में अन्तरालमा जागृत होता है। घाना और केन्या पर कर जाने का भारी बोझ है। एल सल्वाडोर के बांडू में खड़ी होने वाली जागृती विदेशी विद्रोह के लिए उपलब्ध कराता है।



आजादी का अमृत महोदयसंवाद

त्यागीता के 75 वर्षों में एक संप्रभु त्यागी राष्ट्र के रूप में भारत वे क्या हासिल किया, किनका हासिल किया, किन ममलों में हम अब भी पीछे हैं, भारत के समाजतान्त्र स्वतंत्र हुए राष्ट्र अथवा अविभाजित राष्ट्र के रूप में एक धूम्रधारा है, जहां तक कहीं भी जाते हैं तो वह बहुत सी मंजिलें ऐसी हैं, जहां तक हमें पहुंचना चाहिए, था, लेकिन वहां पहुंचने के बाद भी जाते हैं। बीते एक वर्ष में एक धूम्रधारा है, जो जागृत होने के बाद भी जाते हैं। बीते एक वर्ष में एक धूम्रधारा है, जो जागृत होने के बाद भी जाते हैं। इसकी जागृती तुलना में कहाँ खड़ा है आदि कहूँ तरह सवाल है, जो हर जागूरक भारतीय के मन की मरठते हैं।

को मिल रहा है, जिसे अमृतन हम पिछड़ा' कह देते हैं। ऐसे क्षेत्र भौतिक विकास की परिस्थिति में अभी भूमिकारी है, शिशुओं की अकाल मीठ और अपेक्षानुसूल रोजगार की कमी के अनुसार एक वर्ष में एक धूम्रधारा है, जो जागृत होने के बाद नहीं है, जहां तक हमें पहुंचना चाहिए, था, लेकिन वहां पहुंचने के बाद भी जाते हैं। बीते 21वीं आते-आते वैश्विक सफलतामें देश में अभी भूमिकारी है, कुपोषण है, शिशुओं की अकाल मीठ और अपेक्षानुसूल रोजगार की कमी के अनुसार एक वर्ष में एक धूम्रधारा है, जो जागृत होने के बाद नहीं है, जहां तक हमें कहीं भी जाते हैं। इसकी जागृती तुलना में कहाँ खड़ा है आदि कहूँ तरह सवाल है, जो हर जागूरक की अविभाजित राष्ट्रीयता में अनुष्ठान की जागृती है। इसकी जागृती तुलना में कहाँ खड़ा है आदि कहूँ तरह सवाल है, जो हर जागृती तुलना में सुनी जा रही है। हम निराहता से एक विविधता की भारत की आत्मा की जागृती है। आज आंदोलन के अवादी 33 करोड़ थी, आज 135 करोड़ है।

अजय बोकिल

### मिला जुला

## हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत

# अमित शाह ने अपने घर पर लहराया राष्ट्रध्वज



#### घरों में 'तिरंगा' लगाने की अपील

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जुलाई को देशवासियों से 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत 13 से 15 अगस्त तक अपने घरों में राष्ट्रध्वज का लगानी की







## हर दिन बढ़ती जा रही है अवनीत कौर की बोल्डनेस, क्रॉप टॉप में बढ़ाया इंटरनेट का पारा

टीवी के बाद बॉलीवुड की ओर रुख करने वाली अवनीत देखते ही देखते सोशल मीडिया सेंसेशन बन चुकी हैं। चाइल्स आर्टिस्ट के तौर पर अपने करियर की शुरुआत करने वाली अवनीत कौर ने बहुत छोटी सी उम्र में एक खास मुकाम हासिल कर लिया है। वह इन दिनों अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। हालांकि इससे पहले ही उन्होंने अपने बॉल लुक्स से लोगों को दीवाना बना दिया है। एक्ट्रेस अपने प्रोजेक्ट्स से ज्यादा लुक्स और स्टाइलिश अंदाज की वजह से चर्चा में रहने लगी हैं।

अवनीत कौर सोशल मीडिया सेंसेशन बन चुकी हैं

बहों, दूसरी ओर अवनीत अपने चाहों वालों के साथ जुड़ी रही के लिए सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। आज लोग उनकी एक ड्रेस के लिए बेताब रहते हैं। वह आप दिन अपनी एक से बढ़कर एक तर्कारें शेयर कर लोगों के होश उड़ा देती हैं। अब एक बार फिर से अवनीत ने अपने नए अवतार से इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है।

इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तर्कारों में अवनीत ब्लॉड ट्रॉप टॉप और पैंट पहने दिखाई दे रही हैं। इस लुक में वह इन्हीं बोल्ड लग रही हैं उन पर से लोगों के लिए नज़रें हटाना मुश्किल हो गया है। ग्लॉमरस लुक को कंप्लीट करने के लिए अवनीत ने लाइट मेकअप किया है और बाल बनाया है। यहां वह कमरे के सामने अलग-अलग अदाएं दिखा रही हैं। इस नए लुक में अवतार काफी हांट दिख रही हैं। फैंस उनके इस लुक की तरीकों करने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं। दूसरी ओर अवनीत की वर्क फॅंट की बात करें तो वह जल्द ही कंगना रनौत के प्रोफेशनल टीकू वेडेश शूरू में नज़र आएंगी। इस फिल्म में अवनीत की नवाज़ुद्दीन सिंहौक के साथ लीड रोल में देखा जाने वाला है।

## ‘फुर्तीला’ के साथ अमायरा दस्तूर पंजाबी फिल्मों में अपने धमाकेदार डेब्यू के लिए हैं तैयार

अदाकारा अमायरा दस्तूर हिंदी, तमिल और तेलुगु फिल्मों में खुद को सावित कर चुकी हैं। अब अमायरा अपनी अपकंभिंग फिल्म ‘फुर्तीला’ के साथ पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में धूम मचाने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में अमायरा के साथ जस्ती गिल नजर आएंगे।

इस फिल्म का निर्देशन अमर हुंदल कर रहे हैं। कह सकते हैं कि इस बहुप्रतीक्षित फिल्म के जरिए अमायरा ने अपने पैंट इंडिया स्टार बनने के लक्ष्य की तरफ एक और कदम बढ़ा दिया है। अमायरा दस्तूर कहती हैं भाषाई बैंडिंगों से बाहर निकलने का मौका कलाकारों को अपनी अधिनय कला कौशल के बदौलत मुकाम हासिल करने में काफी मदद करता है। मेरे लिए यह सुहारा मोंका है। लोग अब थ्रॉव के बाहर से किसी के साथ सहयोग करने को तैयार हैं, जैसे कि मैं, जो पंजाबी नहीं बोलती लेकिन एक पंजाबी फिल्म पर काम कर रही हूँ। ऐसे में अब सभी अमायरा दस्तूर की पंजाबी फिल्म का तंत्रजार है।

## मैं विभिन्न भाषाओं के संगीत का भी आनंद लेता हूँ : आयुष्मान खुराना



हिंदी सिनेमा जगत के जाने-माने अभिनेता आयुष्मान खुराना संगीत प्रेमी हैं। उनका कहना है कि वह हमेशा नए गानों और नए संगीत की तलाश में रहते हैं। आयुष्मान ने कहा, मैंने बचपन से संगीत का आनंद लिया है और मैं विभिन्न भाषाओं के संगीत का आनंद लेता हूँ। मुझे यह गुण मेरी दादी से आया है। वह फिल्म गानों को एक पंजाबी फिल्म की तरह थीं और हर सोने के लिए एकदम सही गाना रहता है और मुझे गाना खोजने में बहुत मजा आता है।



## मन कस्तूरी रे से मराठी फिल्मों में डेब्यू करने जा रही है तेजस्वी प्रकाश

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश जल्द ही कंगना रनौत के प्रोफेशनल टीकू वेडेश शूरू में नज़र आएंगी। इस फिल्म में अवनीत की नवाज़ुद्दीन सिंहौक के साथ लीड रोल में देखा जाने वाला है।



## खेल

कोहली के पास फॉर्म पाने का अच्छा मौका

## पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 में 77 का एवरेज, वनडे की बेस्ट पारी एशिया कप में ही खेली



कोहली को मैदान पर देखेंगे जो मानी जा रही है। बल्ले से रन बनाने के बाद शेर की तरफ दहलता था। एशिया कप में जब विटाट खेले हैं तबका जाहज़ करोंगा। आपका एशिया कप में उड़ेंगे तो यह एशिया कप में टीम-20 सीरीज में उड़ेगा। एसें में चर्चा शुरू हो गई है कि क्या इस में ट्राईमैट में विटाट का खिलाफ भी किंग कोहली के बाद खिलाफ तो वह क्या बनाते हैं। ऐसे में उड़की फॉर्म में वापस ला पाएंगे, क्योंकि कोहली के बाद विटाट के खिलाफ किंग कोहली खुले रस बनाते हैं।

जिम्बाब्वे सीरीज के लिए टीम इंडिया में बड़ा बदलाव

**पूरी तरह फिट घोषित किए गए केएल राहुल, शिखर धवन की जगह होंगे कप्तान**



जिम्बाब्वे के खिलाफ बल्ले में इंडिया में बड़ा बदलाव हुआ है। केएल राहुल देवेंद्र किए गए हैं और अब वही एशिया की कप्तानी करेंगे। पहले शिखर धवन को इस दौरे के लिए टीम का कप्तान बनाया गया था, लेकिन अब BCCI ने केएल राहुल की वापसी का ऐलान कर दिया है। इंडीजी से परेशान थे राहुल के पहले चोटों लगी। उड़ेंगे ग्रोइन बंजरी के कारण काफी परेशानी ज़ेलीनी पड़ी। फिर वह स्पोर्ट्स ट्रेटर से पहले ही उड़ेंगे तो कोरोना वारसर से ज़ेलीनी पड़ी। इसी के चलते वह

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए एक बड़ा बदलाव हुआ। उड़ेंगे ग्रोइन बंजरी के कारण काफी परेशानी ज़ेलीनी पड़ी। फिर वह स्पोर्ट्स ट्रेटर से पहले ही उड़ेंगे तो कोरोना वारसर से ज़ेलीनी पड़ी। ये होगी नई टीम इंडिया। केएल राहुल (कप्तान), शिखर धवन (उप-कप्तान), त्रिवाज

## फेडरेशन तलाश में जुटी, यूरोप में नागरिकता पाने के लिए भागने का शक



लंदन। कॉमनवेल्थ में हिस्सा लेने गए, याकिस्तानी खिलाड़ियों के दल में से दो बॉक्सर गायब हो गए हैं। इसके बाद बॉक्सर टेजस्वी प्रकाश ने इनका पता लगाने में जुट गया है। अब तक इन प्लेयर्स का पता नहीं लगा है। गायब हुए दोनों बॉक्सर्स को खेलने में कोई मेंडल नहीं पाया गया। याकिस्तानी खिलाड़ियों को खेलने में कोई मेंडल नहीं पाया गया। याकिस्तानी खिलाड़ियों को खेलने में कोई मेंडल नहीं पाया गया।

‘द डेली पाकिस्तान’ के मुताबिक, गायब होने वाले दोनों बॉक्सर्स के नाम सुनेल बालोच और नजरउल ज़ादा हैं। ये दोनों बालोच बालोच ज़ादा हो रहे थे। एशिया कप में दोनों प्लेयर्स ने इसके लिए गायब हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह पहली खिलाड़ियों को इसलामाबाद की प्लाइट में बॉक्सर नहीं है जब पाकिस्तानी खिलाड़ियों को खेलना चाहिए।

‘द डेली पाकिस्तान’ के अधिकारी ने इसके लिए गायब होने वाले दोनों बॉक्सर्स को खेलने में कोई मेंडल नहीं पाया गया।

## एक नज़र पदक के साथ घर लौटना खास अनुभव : संगीता कुमारी



नवी दिल्ली। बर्मिंघम 2022 में कास्ट्री पदक जीतने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ियों संगीता कुमारी ने अपने पहले खिलाड़ियों में डेब्यू कर रही है। तेजस्वी अपनी पहली फिल्म का पहला पोस्टर साझा करते हुए मराठी में कैशन लिखा है। उन्होंने निर्देशन देने के लिए अपने बैलैंस करते नजर आ रहे हैं। अपनी पहली फिल्म के पोस्टर के पोस्टर के बारे में तेजस्वी ने अपने सोशल मीडिया पर साझा किया है। ये पोस्टर में उनके साथ मराठी एक्ट्रेस अपनी अपेक्षित नज़र आ रहे हैं। जो फिल्म में उनके अपेक्षित होती है। वही पोस्टर में दोनों साथ स्कूटर पर रहती है।

समनकस्तूरेरेणोव। वही तेजस्वी के प्रशंसक इस खबर से बेहद खुश है।

जिम्बाब्वे की जगह होने के अधिकारी ने अपने बैलैंस करते नजर आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वह जारीखंड के लिए गारंट बैलैंस करते नजर आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वह जारीखंड के लिए गारंट बैलैंस करते नजर आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वह जारीखंड के लिए गारंट बैलैंस करते नजर आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वह जारीखंड के लिए गारंट बैलैंस करते नजर आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वह जारीखंड के लिए गारंट बैलैंस करते नजर आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वह जारीखंड के लिए गारंट बैलैंस करते नजर आ रहे हैं।

</div





